Resource: मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Words has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

य

यबूस, यरदन नदी, यरीहो, यरूशलेम, यशायाह, यहूदा, यहूदा, यहूदा इस्करियोती, यहूदिया, यहूदियों का राजा, यहूदी, यहूदी अधिकारी, यहूदी धर्म, यहेजकेल, यहोयाकीन, यहोयाकीम, यहोयादा, यहोराम, यहोवा, यहोशापात, यहोशू, याकूब, याकूब (जब्दी का पुत्र), याकूब (यीशु का भाई), याकूब का पुत्र यहूदा, याकूब(हलफईस का पुत्र), याजक, याफा, यारोबाम, यिज्रैल, यित्रो, यिप्तह, यिर्मयाह, यिशै, यीशु, यूनान, यूनानी, यूसुफ (नया नियम), यूसुफ (पुराना नियम), यूहन्ना (प्रेरित), यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), यूहन्ना मरकुस, येपेत, येहू, योआब, योआश, योएल, योग्य करना, योताम, योना, योनातान, योराम, योशिय्याह

यबूस

तथ्य:

यबूसी कनान देश में रहनेवाली एक जाति थी। वे हाम के पुत्र कनान के वंशज थे।

- यबूसी यबूस नगर के रहनेवाले थे। इस नगर का नाम बदलकर यरूशलेम रखा गया था जब राजा दाऊद ने इसे जीत लिया था।
- मलिकिसिदक, शालेम का राजा, संभवतः यबूसी मूल का था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कनान, हाम, यरूशलेम, मलिकिसिदक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 1:14
- 1 राजा 9:20–21
- निर्गमन 3:7–8
- उत्पत्ति 10:16
- यहोशू 3:9–11
- न्यायियों 1:20–21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2982, H2983

यरदन नदी

तथ्य:

यरदन नदी उत्तर से दक्षिण की ओर बहती है और कनान देश की पूर्वी सीमा बनाती है।

- आज यरदन नदी पश्चिम में इस्राएल और पूर्व में जॉर्डन को विभाजित करती है।
- यरदन नदी गलील सागर से बहती हुई मृत सागर में गिरती है।
- यहोशू जब इस्राएलियों को लेकर कनान आ रहा था तब उन्हें यरदन नदी पार करनी पड़ी थी। क्योंकि पानी बहुत गहरा था परमेश्वर ने यरदन नदी का प्रवाह रोक दिया और इस्राएलियों ने उसके तल पर चलकर उसको पार किया।
- बाइबल में यरदन नदी का संदर्भ “यरदन ” से है।

(यह भी देखें: कनान, खारे ताल, गलील सागर)

यरीहो

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 32:9–10
- यूहन्ना 1:26–28
- यूहन्ना 3:25–26
- लूका 3:3
- मत्ती 3:6
- मत्ती 3:13–15
- मत्ती 4:14–16
- मत्ती 19:1–2

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **15:2** इस्राएलियों को प्रतिज्ञा के देश में प्रवेश करने से पहले **यरदन नदी** को पार करना था।
- _15:3_जब सब इस्राएलियों ने **यरदन नदी** को पार कर लिया, तब परमेश्वर ने यहोशू को बताया कि किस प्रकार से यरीहो के शक्तिशाली शहर पर आक्रमण करना है।
- **19:14** एलीशा ने उसे कहा, "तू जाकर **यरदन नदी** में सात बार डुबकी मार।"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3383, G24460

यरीहो

तथ्य:

यरीहो कनान देश में एक शक्तिशाली शहर था। वह यरदन के पश्चिम में और मृत सागर के उत्तर में था।

- अन्य सब कनानियों के सदृश्य यरीहोवासी भी मूर्तिपूजक थे।
- यरीहो कनान देश में पहला नगर था, जिसे जितने के लिए परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी।
- जब यहोशू ने यरीहो के विरूद्ध इस्राएलियों की अगुआई की तब यरीहो को पराजित करने में परमेश्वर ने एक महान चमत्कार किया था।

(यह भी देखें: कनान, यरदन नदी, यहोशू, आश्चर्यकर्म, खारे ताल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 6:78
- यहोशू 2:1–3
- यहोशू 7:2–3
- लूका 18:35
- मरकुस 10:46–48
- मत्ती 20:29–31
- गिनती 22:1

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **15:1** यहोशू ने दो भेदियों को कनानियो के शहर **यरीहो** में भेजा।
- **15:3** जब सब इस्राएलियों ने यरदन नदी को पार कर लिया, तब परमेश्वर ने यहोशू को बताया कि किस प्रकार से **यरीहो** के शक्तिशाली शहर पर आक्रमण करना है।
- **15:5** यरीहो की शहरपनाह नींव से गिर पड़ी! तब इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार, जो कुछ उस शहर में था सब कुछ नष्ट कर दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3405, G2410

यरूशलेम

तथ्य:

यरूशलेम वास्तव में एक प्राचीन कनानी नगर था जो बाद में इस्राएल का एक प्रमुख नगर बन गया था। यह नगर खारे ताल के पश्चिम में 34 किलोमीटर दूर और बैतलहम के ठीक उत्तर में स्थित है। यह नगर आज भी इस्राएल की राजधानी है।

- "यरूशलेम" नाम सबसे पहले यहोशू की पुस्तक में आया है। इस नगर के अन्य नाम जो पुराने नियम में हैं वे हैं, "शालेम", "यबूसियों का नगर" और "सिय्योन" यरूशलेम और शालेम दोनों शब्दों का मूल अर्थ है, "शान्ति"।
- यरूशलेम मूल रूप से यबूसी गढ़ था जिसका नाम "सिय्योन" था, राजा दाऊद ने इस नगर को जीत कर अपनी राजधानी बना लिया था।
- राजा दाऊद के पुत्र, सुलैमान ने सबसे पहला मन्दिर यरूशलेम में मोरियाह पर्वत पर बनाया था। मोरियाह पर्वत वह स्थान था जहां अब्राहम ने अपने पुत्र, इसहाक की बलि चढ़ाई थी। बेबीलोन की सेना द्वारा मन्दिर के विनाश के उपरान्त उसका पुनः निर्माण किया गया था।
- मन्दिर यरूशलेम में था इसलिए यहूदियों के मुख्य पर्व वहीं मनाए जाते थे।
- लोग कहते थे कि वे "ऊपर" यरूशलेम को जा रहे हैं क्योंकि यह नगर पहाड़ पर बसा हुआ था।

(यह भी देखें: बाबेल, मसीह, दाऊद, यबूसी, यीशु, सुलैमान, मन्दिर, सिय्योन)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26–27
- यूहन्ना 02:13
- लूका 04:9–11
- लूका 13:05
- मरकुस 03:7–8
- मरकुस 03:20–22
- मत्ती 03:06
- मत्ती. 04:23–25
- मत्ती 20:17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:05** दाऊद ने **यरूशलेम** पर विजय प्राप्त की और उसे अपनी राजधानी बनाया।
- **18:02** **यरुशेलम** में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया।
- **20:07** उन्होंने(बेबीलोनियों ने) **यरूशलेम** को जीत लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उठा कर ले गए।
- **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन में रहने के बाद, यहूदियों का एक छोटा समूह यहूदा में **यरूशलेम** वापस लौट आया।
- **38:01** यीशु मसीह ने सार्वजनिक उपदेशों के आरम्भ के लगभग तीन साल बाद अपने चेलों से कहा कि वह **यरूशलेम** में उनके साथ फसह का त्यौहार मनाना चाहता था, और वहीं वह मार डाला जाएगा।
- **38:02** यीशु और चेलों के _ यरूशलेम_ में पहुँचने के बाद यहूदा यहूदी गुरुओ के पास गया और पैसों के बदले यीशु के साथ विश्वासघात करने का प्रस्ताव रखा।
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे **यरूशलेम** से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे।”

- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरा पिता पवित्र आत्मा का सामर्थ्य तुम्हे न दे।"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3389, H3390, G2414, G2415, G2419

यशायाह

तथ्य:

यशायाह परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता था जिसने यहूदा में चार राजाओं के राज्यकाल में सेवा की थी। उज्जियाह, योताम, आहाज और हिज्कियाह

- जब अश्शूर हिजकिय्याह के युग में नगर पर आक्रमण कर रहे थे तब वह यरूशलेम में वास कर रहा था।
- पुराने नियम की पुस्तक यशायाह बाइबल की बड़ी पुस्तक में से एक है।
- यशायाह ने अनेक भविष्यद्वाणियां लिपिबद्ध की है जिनकी पूर्ति उसके जीवनकाल ही में हो गई थी।
- यशायाह मसीह की भविष्यद्वाणी के लिए विशेष करके जाना जाता है, जिसकी पूर्ति 700 वर्ष बाद यीशु के समय में हुई थी।
- यीशु और उसके शिष्यों ने यशायाह की भविष्यद्वाणियों द्वारा मनुष्यों को मसीह के बारे में शिक्षा दी थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: आहाज, अश्शूर, मसीह, हिजकिय्याह, योताम, यहूदा, भविष्यद्वक्ता, उज्जिय्याह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 20:1–3
- प्रे.का. 28:26
- यशायाह 1:1
- लूका 3:4
- मरकुस 1:1
- मरकुस 7:6
- मत्ती 3:3
- मत्ती 4:14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:9** **यशायाह** भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **21:10** **यशायाह** भविष्यद्वक्ता ने कहा कि मसीह गलील में रहेगा, वह खेदित मन के लोगों को शान्ति देगा और बंदियों के लिए स्वतंत्रता का और कैदियों को छुटकारा देगा।
- **21:11** **यशायाह** भविष्यद्वक्ता ने यह भी भविष्यवाणी की कि मसीह से लोग बिना कारण के बैर करेंगे और उसे अस्वीकार करेंगे।
- **21:12** **यशायाह** ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **26:2** उसे(यीशु)**यशायाह** नबी की पुस्तक दी गयी कि वह उसमे से पढ़े। यीशु ने पुस्तक खोल दी और लोगों को इसके बारे में पढ़कर सुनाया।
- **45:8** जब फिलिप्पुस रथ के पास पहुँचा, उसने कुश देश के अधिकारी को **यशायाह** भविष्यद्वक्ता की पुस्तक से पढ़ते हुए सुना।
- **45:10** फिर फिलिप्पुस ने उसे समझाया कि **यशायाह** यह यीशु मसीह के बारे में बता रहा है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3470, G22680

यहूदा

तथ्य:

यहूदा याकूब के बड़े बेटों में से एक था। उनकी मां लिआ थी। उनके वंशजों को "यहूदा का गोत्र" कहा जाता था। जब भूमि के एक क्षेत्र के नाम के रूप में उपयोग किया जाता है, तो "यहूदा" शब्द यहूदा के जनजाति को दी गई भूमि को संदर्भित करता है, जिसमें पहाड़ी क्षेत्र यरूशलेम के दक्षिण में स्थित है।

- यहूदा ने ही अपने भाइयों को राय दी थी कि यूसुफ को गड्ढे में मरने के लिए छोड़ने की अपेक्षा उसे बेच दिया जाए।
- राजा दाऊद और उसके बाद के सब राजा यहूदा के वंशज थे। यीशु भी यहूदा का वंशज था।
- सुलैमान के बाद जब इस्राएल राज्य का विभाजन हो गया था तब यहूदा राज्य इस्राएल का दक्षिणी क्षेत्र हुआ।
- नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक यीशु को “यहूदा का सिंह” कहा गया है।
- “यहूदी” और “यहूदिया” शब्द “यहूदा” से ही व्युत्पन्न शब्द हैं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: याकूब, यहूदी, यहूदा, यहूदिया, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:1–2
- 1 राजा 01:9–10
- उत्पत्ति 29:35
- उत्पत्ति 38:1–2
- लूका 03:33–35
- रूत 01:1–2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3063

यहूदा

यहूदा

तथ्य:

यहूदा का गोत्र इस्राएल के बारह गोत्रों में सबसे बड़ा था। यहूदा का राज्य यहूदा और बिन्यामीन के गोत्रों से मिलकर बना था।

- राजा सुलैमान की मृत्यु के बाद, इस्राएल देश दो राज्यों में विभाजित हो गया: इस्राएल और यहूदा। यहूदा का राज्य दक्षिणी राज्य था, जो नमक सागर के पश्चिम में स्थित था।
- यहूदा राज्य की राजधानी यरूशलेम थी।
- यहूदा के आठ राजाओं ने यहोवा की आज्ञा मानी और लोगों को उसकी उपासना करने के लिए प्रेरित किया। यहूदा के अन्य राजा बुरे थे और लोगों को मूर्तियों की पूजा करने के लिए प्रेरित करते थे।
- अश्शूर द्वारा इस्राएल (उत्तरी राज्य) को पराजित करने के 120 से अधिक वर्षों के बाद, यहूदा को बेबीलोन के राष्ट्र द्वारा जीत लिया गया था। बाबुलियों ने नगर और मन्दिर को नष्ट कर दिया, और यहूदा के अधिकांश लोगों को बन्दी बनाकर बाबेल ले गए।

(यह भी देखें: यहूदा, खारे ताल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 30:26–28
- 2 शमूएल 12:8
- होशे 5:14
- यिर्मयाह 7:33
- न्यायियों 1:16–17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **18:07** केवल दो गोत्र उसके (रहूबियाम) के प्रति विश्वासयोग्य बने रहे। ये दो गोत्र **यहूदा का राज्य** बने।
- **18:10** **यहूदा** और इस्राएली **राज्य** शत्रु बन गए और अक्सर एक दूसरे के विरुद्ध लड़े।
- **18:13** **यहूदा के राजा** दाऊद के वंशज के थे। कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की। परन्तु बहुत से **यहूदा के** राजा दुष्ट, विकृत और मूर्तियों की उपासना करने वाले थे।
- **20:01** इस्राएल के राज्य और **यहूदा के राज्य** दोनों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया।
- **20:05** **यहूदा के राज्य** के लोगों ने देखा कि किस प्रकार परमेश्वर ने इस्राएल के राज्य के लोगों को उस पर विश्वास न करने और उसकी आज्ञा न मानने के लिए दण्ड दिया था। लेकिन वे फिर भी मूर्तियों की पूजा करते थे, जिनमें कनानियों के देवता भी शामिल थे।
- **20:06** अश्शूरियों द्वारा इस्राएल के राज्य को नष्ट करने के लगभग 100 वर्षों के बाद, परमेश्वर ने यहूदा के राज्य पर आक्रमण करने के लिए बेबीलोनियों के राजा नबूकदनेस्सर को भेजा।
- **20:09** नबूकदनेस्सर और उसकी सेना यहूदा के राज्य के लगभग सभी लोगों को बेबीलोन ले गई, केवल सबसे गरीब लोगों को ही खेतों में रोपने के लिए छोड़ दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4438, H3063

यहूदा इस्करियोती

यहूदा इस्करियोती

तथ्य:

यहूदा इस्करियोती यीशु के शिष्यों में से एक था। उसने यीशु के साथ छल करके उसको यहूदी अगुओं के हाथों पकड़वा दिया था।

- इस्करियोती का अर्थ हो सकता है, "कारियोथवासी" संभवतः यूहदा उस नगर में पाला- पोसा गया था।
- यहूदा इस्करियोती शिष्यों का पैसा संभालता था और संभवतः उसमें से चोरी भी करता था।
- यहूदा ने यीशु को पकडवाने के लिए धर्म के अगुओ को उसका पता बताकर उससे विश्वासघात किया।
- जब धर्म के अगुओं ने यीशु को मृत्युदण्ड के योग्य ठहरा दिया तब यीशु के साथ विश्वासघात करने क लिए यहूदा पछताया और यहूदी अगुओं का पैसा लौटाकर आत्म-हत्या कर ली।
- एक और शिष्य का नाम यहूदा था| वह याकूब का पुत्र था, यहूदा इस्करियोती नहीं था।
- यीशु के भाइयों में से एक का नाम यहूदा था जो यहूदा इस्करियोती से भिन्न था|

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: प्रेरित, पकड़वाना, यहूदी अगुवे, याकूब का पुत्र यहूदा)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 6:14–16
- लूका 22:47–48
- मरकुस 03:19
- मरकुस 14:10–11
- मत्ती 26:23–25

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **38:2** 'यीशु के शिष्यों में से एक **यहूदा** नाम का एक पुरुष था । ...यीशु और चेलों के यरूशलेम में पहुँचने के बाद **यहूदा** यहूदी गुरुओ के पास गया और पैसों के बदले यीशु के साथ विश्वास घात करने का प्रस्ताव रखा।
- **38:3** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये तीस चाँदी के सिक्के तोलकर **यहूदा** को दे दिए।
- **38:14** **यहूदा** प्रधान याजकों, सैनिकों और एक बड़ी भीड़ को तलवार और लाठियों के साथ लाया। **यहूदा** यीशु के पास आया और कहा, " नमस्कार, गुरु," और उसे चूमा।
- **39:8** इसी दौरान जब **यहूदा**, विश्वासघाती ने देखा कि यहूदी याजक यीशु को अपराधी घोषित कर उसे मारना चाहते है। यह देख यहूदा शोक से भर गया और खुद को मार डाला।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G24550, G24690

यहूदिया

तथ्य:

"यहूदिया" प्राचीन इस्राएल के एक भू-भाग को कहा जाता था। इस शब्द का उपयोग कभी संकीर्ण अर्थ में तो कभी वृहत् अर्थ में किया गया है

- संकीर्ण अर्थ में यहूदिया शब्द का संदर्भ प्राचीन इस्राएल, दक्षिणी भाग, मृत-सागर के पश्चिमी क्षेत्र से था। कुछ अनुवादों में इस क्षेत्र को "यहूदा" कहा गया है।
- व्यापक अर्थ में यहूदिया शब्द प्राचीन इस्राएल के सब प्रान्तों, गलील, सामरिया, पेरिया, इदुमिया, यहूदिया (यहूदा) आदि सर्वसमाहित क्षेत्रों के संदर्भ में था।
- यदि अनुवादक इस अंतर को स्पष्ट करना चाहते हैं, तो यहूदिया का व्यापक अर्थ "यहूदी देश" और संकीर्ण अर्थ में "यहूदिया प्रदेश" या "यहूदा देश"प्रकट किया जा सकता है क्योंकि यह प्राचीन इस्राएल का वह भूभाग था जहां आरम्भ में यहूदा का गोत्र वास करता था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: गलील, एदोम, यहूदा राज्य, यहूदा राज्य, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 2:14
- प्रे.का. 2:9
- प्रे.का. 9:32
- प्रे.का. 12:19
- यूहन्ना 3:22–24
- लूका 1:5
- लूका 4:44
- लूका 5:17
- मरकुस 10:1–4
- मत्ती 2:1
- मत्ती 2:5
- मत्ती 2:22–23
- मत्ती 3:1–3
- मत्ती 19:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2453

यहूदियों का राजा

परिभाषा:

- "यहूदियों का राजा" यीशु मसीह का पदनाम है।
- पहली बार बाइबल में यह पदनाम उस समय आया है जब बैतलहम आनेवाले ज्योतिषी "यहूदियों का राजा" होने वाले शिशु को खोज रहे थे।
- स्वर्गदूत ने मरियम से कहा था कि उसका पुत्र, राजा दाऊद का वंशज एक राजा होगा जिसका राज्य सदाकालीन होगा।
- यीशु के क्रूसीकरण से पूर्व रोमी सैनिकों ने ठट्ठा करके यीशु को "यहूदियों का राजा" कहा था। यह पदनाम एक तख्ती पर लिखकर यीशु के क्रूस पर भी लगाया गया था।
- यीशु वास्तव में यहूदियों का राजा और संपूर्ण सृष्टि का राजा है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- "यहूदियों का राजा" का अनुवाद हो सकता है, "यहूदियों पर राजा" या "यहूदियों पर राज करने वाला राजा" या "यहूदियों का परम प्रधान शासक"
- देखें कि "का राजा" अन्य स्थानों में किस प्रकार अनुवाद किया गया है।

(यह भी देखें: वंशज, यहूदी, यीशु, राजा, राज्य, परमेश्वर का राज्य, ज्योतिषी)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 23:3
- लूका 23:38
- मत्ती 2:2
- मत्ती 27:11
- मत्ती 27:35–37

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **23:9** कुछ समय बाद ज्योतिषियों ने पूर्व में एक तारा देखा। इससे उन्होंने जाना कि, _यहूदियों के राजा_का जन हुआ है।
- **39:9** पिलातुस ने यीशु से पूछा, " क्या तू **यहूदियों का राजा** है?"
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा। तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया "**यहूदियों का राजा** देखो"।
- **40:2** पिलातुस ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर के ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए कि, "यह **यहूदियों का राजा** है।"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G09350, G24530

यहूदी

तथ्य:

यहूदी वे लोग है जो अब्राहम के पोते याकूब के वंशज थे। "यहूदी" शब्द "यहूदा" से आया था।

लोग इस्राएलियों को यहूदी तब कहने लगे जब वे बेबीलोन से यहूदा देश लौट आएँ थे।

- मसीह यीशु यहूदी था। परन्तु यहूदी धर्म के अगुओं ने यीशु का इन्कार किया और उसको मार डालने की मांग की।
- “यहूदी शब्द प्रायः यहूदियों के अगुओं के संदर्भ में लिया जाता था, सब यहूदियों के लिए नहीं। इन संदर्भों में कुछ अनुवादों में “के अगुवे” जोड़ा जाता है कि अर्थ स्पष्ट व्यक्त हो।

(यह भी देखें: अब्राहम, याकूब, इस्राएल, बाबेल, यहूदी अगुवे)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 02:5–7
- प्रे.का. 10:27–29
- प्रे.का. 14:5–7
- कुलुस्सियों 03:9–11
- यूहन्ना 02:13–14
- मत्ती 28:14–15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **20:11** इस्राएलियों को अब **यहूदी** कहा जाता था और उनमें से अधिकतर लोगों ने अपना पूरा जीवन बेबीलोन में व्यतीत किया था।
- **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन के बाद, **यहूदियों** का एक छोटा समूह यरूशलेम को वापस लौट आया।
- **37:10** अनेक **यहूदी** उसका यह काम देखकर, उस पर विश्वास किया।
- **37:11** परन्तु **यहूदियों** के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
- **40:02** पिलातुस ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर के ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए कि, “यह **यहूदियों** का राजा है।”
- _46:06_तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के **यहूदियों** से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3054, H3061, H3062, H3064, H3066, G2450, G2451, G2452, G2453, G2454

यहूदी अधिकारी

तथ्य:

शब्द "यहूदी अगुवे" या "यहूदी अधिकारी" धार्मिक अगुवों जैसे कि याजक और परमेश्केवर की व्यवस्था के शिक्षकों को

यहूदी अधिकारी

संदर्भित करता है। उन्हें गैर-धार्मिक मामलों के बारे में भी निर्णय लेने का अधिकार था।

- यहूदी अगुवे महायाजक, मुख्य याजक और शास्त्री (परमेश्वर के नियमों के शिक्षक) थे।
- यहूदी अगुवों के प्रमुख पंथों में फरीसी और सदूकी थे।
- व्यवस्था के मामलों के विषय में निर्णय लेने के लिए यरूशलेम में यहूदी परिषद में सत्तर यहूदी अगुवों ने एक साथ मुलाकात करते थे।
- कई यहूदी अगुवे घमण्डी थे और सोचते थे कि वे धर्मी हैं। वे यीशु से जलते थे और उसे हानि पहुँचाना चाहते थे। उन्होंने परमेश्वर को जानने का दावा तो किया परन्तु उसकी आज्ञा नहीं मानी।
- अक्सर वाक्यांश "यहूदी" यहूदी अगुवों को संदर्भित करता है, खासकर उन संदर्भों में जहां वे यीशु पर क्रोधित थे और उसे धोखा देने या नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे थे।
- इन शब्दों का अनुवाद "यहूदी शासकों" या "वे लोग जो यहूदी लोगों पर शासन करते थे" या "यहूदी धार्मिक अगुवों" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: यहूदी, प्रधान-याजकों, महासभा, महायाजक, फरीसी, याजक, सदूकी, शास्त्री)

यहूदी अधिकारी

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 16:22–23
- यूहन्ना 2:19
- यूहन्ना 5:10–11
- यूहन्ना 5:16
- लूका 19:47–48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- _24:03_कई **धार्मिक अगुवे** भी यूहन्ना से बपतिस्मा लेने आए, लेकिन उन्होंने पश्चाताप नहीं किया या अपने पापों को स्वीकार नहीं किया।
- **37:11** परन्तु **यहूदियों के धार्मिक अगुवे** यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सकें।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि _ यहूदी अगुवों_ ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **38:03** महायाजक के नेतृत्व में **यहूदी अगुवों** ने यीशु को पकड़वाने के लिए यहूदा को तीस चाँदी के सिक्के दिए।
- **39:05 यहूदी अगुवों** ने महायाजक को उत्तर दिया, “वह (यीशु) मरने के योग्य है!”
- **39:09** अगली सुबह **यहूदी अगुवों** ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमी राज्यपाल था।
- **39:11** परन्तु **यहूदी अगुवों** ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।”
- **40:09** तब यूसुफ और निकुदेमुस, दो **यहूदी अगुवों** जो यीशु को मसीहा मानते थे, ने पीलातुस से यीशु की लाश माँगी।
- **44:07** अगले दिन, **यहूदी अगुवे** पतरस और यूहन्ना को महायाजक और अन्य **धार्मिक अगुवों** के पास लाए।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G24530

यहूदी धर्म

परिभाषा:

"यहूदी धर्म" का अंश है यहूदियों का अभ्यासमत धर्म इसे "यहूदी धर्म" भी कहा गया है।

- पुराने नियम में "यहूदी धर्म" की चर्चा है जबकि नये नियम में "यहूदी धर्म" को काम में लिया गया है।
- यहूदी धर्म में पुराना नियम की व्यवस्था तथा इस्राएलियों के पालन हेतु परमेश्वर के आदेश थे। उसमें समय के साथ कार्य में जुड़ने वाली प्रथाएं एवं परम्पराएं भी थी।
- यहूदी धर्म के अनुवाद में दोनों पुराने और नये नियमों में भी "यहूदी धर्म" काम में लिया जा सकता है।
- "यहूदी धर्म" का उपयोग केवल नये नियम में किया जाए क्योंकि यह शब्द इससे पहले नहीं था।

(यह भी देखें: यहूदी, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 01:13–14

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2454

यहेजकेल

तथ्य:

यहेजकेल परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता था जिसे बन्दी बनाकर बेबीलोन ले जाया गया था।

- यहेजकेल यहूदा में एक याजक था जिसे अन्य यहूदियों के साथ बेबीलोन की सेना ने बन्दी बनाया था।
- 20 वर्ष से अधिक वह अपनी पत्नी के साथ बाबेल में एक नदी के किनारे रहा, यहूदी उसके पास परमेश्वर का सन्देश सुनने आते थे।
- अन्य बातों के साथ यहेजकेल ने यरूशलेम और मन्दिर के विनाश एवं पुनः स्थापना की भविष्यद्वाणी की थी।
- उसने मसीह के भावी राज्य की भी भविष्यद्वाणी की थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबेल, मसीह, बन्धुआई, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:1–3
- यहेजकेल 24:22–24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3168

यहोयाकीन

तथ्य:

यहोयाकीन यहूदा का राजा था।

- यहोयाकीन 18 वर्ष की आयु में राजा बन गया था। वह केवल तीन महीने ही राज कर पाया था कि बेबीलोन की सेना ने उसे बन्दी बनाकर बेबीलोन ले गई।
- इस छोटे से राज्यकाल ही में यहोयाकीन ने अपने दादा मनश्शे और पिता यहोयाकीम के सदृश्य बुरे काम किए।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबेल, यहोयाकीम, यहूदा, मनश्शे)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 36:8
- 2 राजा 24:15–17
- एस्तेर 02:5–6
- यहेजकेल 01:1–3
- यिर्मयाह 22:24–26
- यिर्मयाह 37:1–2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3078, H3112, H3204, H3659

यहोयाकीम

तथ्य:

यहोयाकीम यहूदा का एक दुष्ट राजा था, जिसके राज्यकाल का आरम्भ 608 ई.पू. हुआ था, वह राजा योशिय्याह का पुत्र था। उसका नाम वास्तव में एल्याकीम था।

- मिस्र के फ़िरौन नीको ने एल्याकीम का नाम बदलकर यहोकीम रखा और उसे यहूदा का राजा बनाया था।
- फ़िरौन नीको ने यहोयाकीम को बहुत अधिक कर देने पर विवश किया।
- जब आगे चलकर राजा नबूकदनेस्सर ने यहूदा पर आक्रमण किया तब बन्दियों में जो बेबीलोन ले जाए गए थे यहोयाकीम भी था।
- यहोयाकीम एक दुष्ट राजा था जिसने यहूदावासियों को यहोवा से दूर किया था। भविष्यद्वक्ता उसके विरूद्ध भविष्यद्वाणी करता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: बाबेल, एलयाकीम, यिर्मयाह, यहूदा, नबूकदनेस्सर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 03:15–16
- 2 राजा 23:34–35
- 2 राजा 24:1–2
- दानिय्येल 01:1–2
- यिर्मयाह 01:1–3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3079

यहोयादा

तथ्य:

यहोयादा एक याजक था जिसने राजा अहज्याह के पुत्र, योआश को छिपाकर उसकी रक्षा की थी, जब तक कि वह राजा घोषित किए जाने की आयु का नहीं हो गया।

- यहोयादा ने बालक योआश के सुरक्षा हेतु सैंकड़ों अंगरक्षक नियुक्त किए थे क्योंकि प्रजा ने मन्दिर में उसे राजा घोषित कर दिया था।
- यहोयादा ने बाल की सब वेदियों को नष्ट करने में प्रजा की अगुआई की थी।
- याजक यहोयादा ने अपने शेष संपूर्ण जीवन राजा योआश को परमेश्वर की आज्ञा मानने और प्रजा पर बुद्धिमानी से राज करने में परामर्श देता रहा था।
- यहोयादा नामक एक और पुरुष बनायाह का पिता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अहज्याह, बाल, बनायाह, योआश)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 11:4–6
- 2 राजा 12:1–3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3077, H3111

यहोराम

तथ्य:

“यहोराम” पुराने नियम में दो राजा हुए हैं। दोनों राजाओं को भी "योराम" के नाम से जाना जाता था।

- एक राजा यहोराम ने यहूदा पर आठ वर्ष राज किया था। वह राजा यहोशापात का पुत्र था। यह राजा है जो योराम भी कहलाता था।
- दूसरा राजा यहोराम इस्राएल का राजा था जिसने 12 वर्ष राज किया था। वह आहाब का पुत्र था।
- यहूदा के राजा यहोराम ने उस समय राज्य किया जब भविष्यद्वक्ता यिर्मयाह, दानिय्येल, ओबद्याह और यहेजकेल यहूदा के राज्य में भविष्यद्वाणी कर रहे थे।
- राजा यहोराम ने भी कुछ समय तक राज्य किया था जब उसके पिता राजा यहोशापात यहूदा पर राज्य कर रहे थे।
- कुछ अनुवादों में इस्राएल के राजा के नाम पर "यहोराम" का नाम लगातार इस्तेमाल करना और यहूदा के राजा के लिए "योराम" नाम का चयन हो सकता है।
- हर किसी को स्पष्ट रूप से पहचानने का दूसरा तरीका उसके पिता का नाम शामिल करना होगा।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अहाब, यहोशापात, योराम, यहूदा, इस्राएल का राज्य, ओबद्याह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 22:48–50
- 2 इतिहास 21:1–3
- 2 राजा 11:1–3
- 2 राजा 12:17–18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3088, H3141, G2496

यहोवा

तथ्य:

“यहोवा” परमेश्वर का नाम है, उसने उस जलती हुई झाड़ी पर मूसा को यह नाम बताया था

- “यहोवा” नाम उस शब्द से आता है जिसका अर्थ है “होना” या “अस्तित्व में है।”
- “यहोवा” के संभावित अर्थ हो सकते हैं, “वह है” या “मैं हूँ” या “वह जो होता है”।
- इन नाम का अर्थ है परमेश्वर सदा से जीवित है और रहेगा। इसका अर्थ सदा उपस्थित भी है।
- निम्नलिखित परंपरा, कई बाइबल संस्करण शब्द "प्रभु" को दर्शाने के लिए "यहोवा" उपयोग किया है। यह परंपरा इस तथ्य से हुई है कि ऐतिहासिक रूप से, यहूदी लोग डरते हैं कि यहोवा का नाम का उच्चारण गलत ढंग से न हो इसलिए जहाँ भी पाठ में यहोवा आया वहां वे प्रभु कहने लगे। आधुनिक बाइबल "प्रभु"(लार्ड) को अंग्रेजी में बड़े अक्षरों में लिखा जाता है कि परमेश्वर के नाम का सम्मान हो।
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. परमेश्वर के नाम को “यहोवा” ही लिखते हैं जैसा इब्रानी भाषा के पुराने नियम में है।
- नये नियम में “यहोवा” नाम का उपयोग नहीं किया गया है; केवल “प्रभु” के लिए यूनानी शब्द का प्रयोग किया जाता है, यहाँ तक कि पुराने नियम के उद्धरण में भी।
- पुराने नियम में जब परमेश्वर स्वयं के बारे में कहता है तब वह सर्वनाम के स्थान में अपना नाम लेता है।
- सर्वनाम “मैं” और “मुझ” के द्वारा यू.एल.बी. पाठकों के लिए स्पष्ट करती है कि कहनेवाला परमेश्वर ही है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “यहोवा” शब्द के स्थान में “मैं हूँ” या “जीवित प्रभु” या “अस्तित्ववान” या “वह जो जीवित है” काम में लिया जा सकता है।
- यह शब्द इस प्रकार लिखा जाए जो “यहोवा” शब्द की वर्तनी के सदृश्य दिखाई दे।

- कुछ कलीसिया के संप्रदायों में "यहोवा" शब्द का प्रयोग करना पसंद नहीं करते हैं और बदले में पारंपरिक प्रतिपादन "प्रभु"(लार्ड को अंग्रेजी में बड़े अक्षरों में) का प्रयोग करते हैं। एक महत्वपूर्ण विचार यह है कि यह भ्रामक हो सकता है जब बड़े पैमाने पर पढ़ा जा सकता है क्योंकि यह शीर्षक "प्रभु" के समान होगा। कुछ भाषाओँ में प्रत्यय या व्याकरणिक निशान जोड़े जा सकते है जो अंतर करता है “प्रभु” (लार्ड को अंग्रेजी में बड़े अक्षरों में)को नाम के तौर पर (यहोवा) और “प्रभु” को शीर्षक के तौर पर।
- यदि संभव हो तो उचित यही होगा कि जहां-जहां यहोवा का नाम आता है उसे ज्यों का त्यों ही रखें परन्तु कुछ अनुवादों में केवल सर्वनाम का ही उपयोग किया गया है कि पाठ को अधिक स्पष्ट एवं सहज बनाया जाए।
- कुछ इस तरह से उद्धरण लिखें, "यहोवा यूं कहता है।"

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: परमेश्वर, प्रभु, प्रभु, मूसा, प्रकट करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 21:19–20
- 1 शमूएल 16:6–7
- दानिय्येल 09:3–4
- यहेजकेल 17:24
- उत्पत्ति 02:4–6
- उत्पत्ति 04:3–5
- उत्पत्ति 28:12–13
- होशे 11:12
- यशायाह 10:3–4
- यशायाह 38:7–8
- अय्यूब 12:9–10
- यहोशू 01:8–9
- विलापगीत 01:4–5
- लैव्यव्यवस्था 25:35–38
- मलाकी 03:4–5
- मीका 02:3–5
- मीका 06: 3–5
- गिनती 08:9–11
- भजन 124:1–3
- रूत 01:19–21
- जकर्याह 14:5

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **09:14** परमेश्वर ने मूसा से कहा मैं जो हूँ सो हूँ। उनसे कहना “जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।” “सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।”
- **13:04** परमेश्वर ने उन्हें वाचा दी और कहा, "मैं तेरा परमेश्वर **यहोवा** हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अथार्त् मिस्र देश से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।”
- **13:05** “तू अपने लिये कोई मूर्ति खोदकर न बनाना, न किसी की प्रतिमा बनाना, तू उनकी उपासना न करना क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर **यहोवा** जलन रखने वाला परमेश्वर हूँ।"

- **16:01** इस्राएलियों ने **यहोवा** जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **19:10** फिर एलिय्याह ने प्रार्थना की, "हे अब्राहम, इसहाक और इस्राएल के परमेश्वर _ यहोवा!_ आज यह प्रगट कर कि इस्राएल में तू ही परमेश्वर है, और मैं तेरा दास हूँ,

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3050, H3068, H3069

यहोशापात

तथ्य:

यहोशापात पुराने नियम में कम से कम दो पुरुषों का नाम था।

- इस नाम का प्रसिद्ध पुरूष यहूदा राज्य का चौथा राजा था।
- उसने इस्राएल, यहूदा राज्यों के मध्य शान्ति स्थापित की थी और देवी-देवताओं की वेदियां नष्ट कर दी थी।
- दूसरा यहोशापात दाऊद और सुलैमान का "लिपिक" था। उसका मुख्य धर्म था राजाओं के लिए हस्ताक्षर करने हेतु अभिलेख तैयार करे और राज्य में घटी प्रमुख घटनाओं का वर्णन लिख ले।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: वेदी, दाऊद, झूठे देवता, इस्राएल, यहूदा, याजक, सुलैमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 03:10–12
- 1 राजा 04:15–17
- 2 इतिहास 17:1–2
- 2 राजा 01:17–18
- 2 शमूएल 08:15–18
- मत्ती 01:7–8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3092, H3146, G2498

यहोशू

तथ्य:

बाइबल में यहोशू नाम के अनेक इस्राएली पुरुष हुए हैं। सबसे अधिक प्रसिद्ध नून का पुत्र यहोशू है, वह मूसा का सहायक था और उसके बाद परमेश्वर की प्रजा का एक महत्वपूर्ण अगुआ हुआ था।

- यहोशू उन बारह भेदियों में से एक था जिन्हें मूसा ने प्रतिज्ञा के देश की जानकारी लेने के लिए भेजा था।
- कालेब के साथ यहोशू ने इस्राएलियों से आग्रह किया कि वे प्रतिज्ञा के देश में प्रवेश करने के लिए परमेश्वर की आज्ञा का पालन करें और कनानियों को पराजित करें।
- वर्षों बाद जब मूसा का स्वर्गवास हो गया तब परमेश्वर ने यहोशू को नियुक्त किया कि वह इस्राएलियों को प्रतिज्ञा के देश में लेकर जाए।
- कनानियों के विरूद्ध प्रथम एवं सर्वाधिक प्रसिद्ध युद्ध में यहोशू ने यरीहो को जीतने में इस्राएलियों की अगुआई की थी।
- पुराने नियम में यहोशू की पुस्तक में वर्णन किया गया है कि यहोशू ने प्रतिज्ञा के देश पर अधिकार करने में इस्राएलियों की कैसे अगुवाई की थी और फिर इस्राएल के प्रत्येक गोत्र को रहने के लिए भूमि का विभाजान कैसे किया था।
- योसादाक का पुत्र यहोशू महायाजक की चर्चा हाग्गै तथा जकर्याह की पुस्तकों में की गई है, उसने यरूशलेम की शहरपनाह के पुनरूद्धार में सहायता की थी।
- यहोशू नाम के अन्य अनेक पुरुष हुए हैं जिनका उल्लेख वंशावलियों और बाइबल में अन्य स्थानों में किया गया है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कनान, हाग्गै, यरीहो, मूसा, प्रतिज्ञा का देश, जकर्याह (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 7:25–27
- व्यवस्थाविवरण 3:21
- निर्गमन 17:10
- यहोशू 1:3
- गिनती 27:19

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- _14:4_जब इस्राएली कनान की सीमा पर पहुँचे, तब मूसा ने बारह पुरषों को चुना, इस्राएल के हर गोत्र में से एक, उसने उन पुरुषों को आदेश दिया कि जाकर उस देश का भेद लें कि वह कैसा है।
- **14:6** तुरन्त ही कालेब और **यहोशू**, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे !
- **14:8** उनमे से कालेब और **यहोशू** को छोड़ जितने बीस वर्ष या उससे अधिक आयु के गिने गए थे, वहीं मर जाएंगे, कोई भी उस देश में कभी जाने न पाएगा।
- **14:14** मूसा बहुत वृद्ध हो गया था, उसकी सहायता करने के लिए परमेश्वर ने **यहोशू** को चुना जिससे वे लोगों का मार्गदर्शन करने में उसकी सहायता करे।
- **14:15 यहोशू** एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- **15:3** जब सब इस्राएलियों ने यरदन नदी को पार कर लिया, तब परमेश्वर ने **यहोशू** को बताया कि किस प्रकार से यरीहो के शक्तिशाली शहर पर आक्रमण करना है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3091, G2424

याकूब

तथ्य:

याकूब इसहाक और रिबका के जुड़वा लड़कों में छोटा था। परमेश्वर ने उसका नाम बदल कर "इस्राएल" कर दिया था, उसके वंशज इस्राएली जाती हुए|

याकूब इस्राएली जाती के तीन पितरों में अंतिम था:अब्राहम, इसहाक और याकूब| याकूब के बारह पुत्र इस्राएल के बारह गोत्र हुए|

- इब्रानी भाषा में याकूब शब्द उस शब्द के समरूप है जिसका अर्थ है,"एड़ी"| जन्म के समय याकूब अपने जुड़वा भाई एसाव की एड़ी पकड़े हुए था।पुराने युग में शरीर के अंग, एड़ी के दो अर्थ थे, वार करना और मनुष्य के शरीर का अधो भाग| इब्रानी नाम याकूब संभवतः किसी पर पीछे से वार करने का अर्थ रखता था|
- वर्षों बाद परमेश्वर ने याकूब का नाम बदलकर इस्राएल रखा जिसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है।”
- याकूब ने लाबान की दो पुत्रियों से विवाह किया था जिनके नाम: लिआ और राहेल थे जिनके साथ उनकी सेविकाएँ, जिल्पा और बिल्हा भी थीं। इन चार स्त्रिओं से बारह पुत्र उत्पन्न हुए जो इस्राएल के बारह गोत्रों के पितृ हुए।
- नए नियम में, मत्ती रचित सुसमाचार में जो वंशावली दी गई है उसमें एक और याकूब का उल्लेख किया गया है, वह यूसुफ का पिता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल के बारह गोत्र, लीआ:, राहेल, ज़िल्पा, बिल्हा, deceive, एसाव, इसहाक, रिबका, लाबान)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 7:11
- प्रे.का. 7:46
- उत्पत्ति 25:26
- उत्पत्ति 29:1–3
- उत्पत्ति 32:1–2
- यूहन्ना 4:4–5
- मत्ती 8:11–13
- मत्ती 22:32

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- _7:1_फिर वे लड़के बढ़ने लगे, रिबका **याकूब** से प्रीति रखती थी, लेकिन इसहाक एसाव से प्रीति रखता था। **याकूब** सीधा मनुष्य था और तम्बुओ में रहा करता था, परन्तु एसाव तो वनवासी होकर चतुर शिकार खेलनेवाला हो गया।
- **7:7** **याकूब** वर्षों वहाँ रहा,उसी समय याकूब ने विवाह किया और उसके बारह पुत्र और एक पुत्री उत्पन्न हए। परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान बनाया।
- **7:8** बीस वर्ष तक अपने घर से, जो कनान में है, दूर रहने के बाद **याकूब** अपने परिवार, सेवकों, और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया।
- **7:10** परमेश्वर ने अब्राहम से,तदोपरांत इसहाक से जो वाचा बाँधी थी, वह अब **याकूब** की भी हो गई थी।
- _8:1_वर्षों बाद, जब **याकूब** वृद्ध हो गया, तो उसने अपने प्रिय पुत्र यूसुफ को भेजा कि वह जाकर अपने भाइयो को देखे जो भेड़ बकरियों के झुंड की देखभाल कर रहे थे।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3290, G2384

याकूब (जब्दी का पुत्र)

तथ्य:

जब्दी का पुत्र याकूब, यीशु के बारह शिष्यों में से एक था। उसके छोटे भाई का नाम यूहन्ना था। वह भी यीशु के बारह शिष्यों में से एक था।

- याकूब और यूहन्ना अपने पिता जब्दी के साथ मछली पकड़ने का व्यवसाय करते थे।
- याकूब और यूहन्ना का उपनाम "गर्जन के पुत्र" दिया गया था संभवतः क्योंकि वे अतिशीघ्र क्रोधित हो जाते थे।
- पतरस, याकूब और यूहन्ना यीशु के घनिष्टतम शिष्य थे और उसके साथ अद्भुत घटनाओं में उपस्थित रहते थे जैसे मूसा और एलिय्याह से बातें करते समय जब यीशु पर्वत पर था और जब यीशु ने एक छोटी लड़की को मृतकों में से जिलाया था।
- यह याकूब वह नहीं था जिसने नये नियम में याकूब की पत्री लिखी थी। कुछ भाषाओं में इनके नाम अलग-अलग लिखे जा सकते है। कि स्पष्ट हो कि वे एक ही मनुष्य नहीं हैं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: प्रेरित, एलिय्याह, याकूब (यीशु का भाई), याकूब (हलफई्स का पुत्र), मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 9:28–29
- मरकुस 1:19–20
- मरकुस 1:29–31
- मरकुस 3:1
- मत्ती 4:21–22
- मत्ती 17:1–2

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G23850

याकूब (यीशु का भाई)

तथ्य:

याकूब मरियम और यूसुफ का पुत्र था। वह यीशु का अर्धभ्राता, छोटा भाई था।

- यीशु के अन्य भाई (यीशु की माता, मरियम के पुत्र) यूसुफ, यहूदा, शमौन थे।
- यीशु जब तक जीवित था, याकूब और उसके भाई उसे मसीह नहीं मानते थे।
- जब यीशु मृतकों में से जी उठा तब याकूब ने उस पर विश्वास किया और वह यरूशलेम की कलीसिया का अगुआ ठहरा।
- नये नियम में याकूब का पत्र उन विश्वासियों को लिखा गया था जो सताव के कारण अन्य क्षेत्रों में चले गए थे।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: प्रेरित, मसीह, कलीसिया, याकूब का पुत्र यहूदा, सताना)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 01:18–20
- गलातियों 02:9–10
- याकूब 01:1–3
- यहूदा 01:1–2
- मरकुस 09:1–3
- मत्ती 13:54–56

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G2385

याकूब का पुत्र यहूदा

तथ्य:

याकूब का पुत्र यहूदा, यीशु के बारह शिष्यों में से एक था। ध्यान दें कि यह व्यक्ति यहूदा इस्करियोती नहीं था।

- बाइबल में एक ही नाम के विभिन्न व्यक्तियों के उनके पिता का नाम देकर अलग दर्शाया जाता है। यहां इस यहूदा को "याकूब का पुत्र" कहा गया है।
- एक और यहूदा था जो यीशु का भाई था। उसे "यहूदा" भी कहा गया था।
- नये नियम में यहूदा की पत्री संभवतः यीशु के भाई यहूदा द्वारा लिखी गई थी क्योंकि वह स्वयं को "याकूब का भाई" कहता है। याकूब भी यीशु का भाई था।
- यह भी संभव है कि यहूदा की पत्री यीशु के शिष्य याकूब के पुत्र, यहूदा द्वारा लिखी गई थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: याकूब (जब्दी का पुत्र), यहूदा इस्करियोति, पुत्र, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 1:12–14
- लूका 6:14–16

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G24550

याकूब(हलफईस का पुत्र)

तथ्य:

हलफईस का पुत्र याकूब यीशु के बारह शिष्यों में एक था।

- इसका नाम सुसमाचार वृत्तान्तों में मत्ती, मरकुस और लूका में यीशु के शिष्यों की सूची में दिया गया है।
- उसका नाम प्रेरितों के काम की पुस्तक में भी आया है कि वह भी उन ग्यारह शिष्यों में था जो यीशु के स्वर्गारोहण के बाद यरूशलेम में प्रार्थना कर रहे थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: प्रेरित, चेले, याकूब (यीशु का भाई), याकूब (जब्दी का पुत्र), बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 1:12–14
- लूका 6:14–16
- मरकुस 3:17–19
- मरकुस 14:32–34
- मत्ती 10:2–4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G23850

याजक

परिभाषा:

बाइबल में याजक परमेश्वर की प्रजा की ओर से परमेश्वर के लिए चढ़ावे चढ़ाने के लिए चुना गया मनुष्य। "याजकवृति" उसके पद भार या उसकी सेवावृत्ति का नाम है।

- पुराने नियम में परमेश्वर ने हारून और उसके वंश को इस्राएल के लिए याजक होने हेतु चुना था।
- "याजक पद" एक अधिकार एवं उत्तरदायित्व था जो लेवियों के गोत्र में पिता से पुत्र को प्राप्त होता था।
- इस्राएल के याजकों का उत्तरदायित्व था कि वे मनुष्यों द्वारा लाए गए बलिदान परमेश्वर को चढ़ाएँ , इसके साथ मन्दिर के अन्य कार्य भी उनके उत्तरदायित्व में थे।
- याजक परमेश्वर की प्रज़ा की और से परमेश्वर को नियमित प्रार्थनाएं चढ़ाते थे तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठानों को पूरा करते थे।
- याजक मनुष्यों को विधिवत आशीर्वाद भी देते थे और उन्हें परमेश्वर की व्यवस्था के बारे में सिखाते थे।
- यीशु के युग में याजकों के अलग-अलग स्तर थे जिनमें प्रधान याजक और महायाजक भी थे।
- यीशु हमारा "बड़ा महायाजक" है जो परमेश्वर की उपस्थिति में हमारे लिए विनती करता है। उसने स्वयं को पाप की अन्तिम बलि करके चढ़ा दिया। इसका अर्थ है कि याजकों द्वारा चढ़ाए गए बलिदानों की अब आवश्यकता नहीं है।
- नये नियम में यीशु का प्रत्येक विश्वासी "याजक" कहा गया है, वह स्वयं के लिए और मनुष्यों के लिए विनती करने के लिए सीधा परमेश्वर के पास आ सकता है।
- प्राचीन युग में अन्यजातियों के भी पुजारी थे जो झूठे देवता को बलि चढाते थे, जैसे बाल देवता को।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "याजक" का अनुवाद "बलि चढ़ानेवाला व्यक्ति" या "परमेश्वर का मध्यस्थ" या "बलि चढ़ानेवाला मध्यस्थ" या "परमेश्वर द्वारा उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त मनुष्य"।
- "याजक" का अनुवाद "मध्यस्थ" के अनुवाद से भिन्न होना है।

- कुछ अनुवादों में अधिक उचित माना जाता है कि सदैव इस प्रकार कहा जाए: "इस्राएली याजक" या "यहूदी याजक" या "यहोवा का याजक" या "बाल पुजारी" जिससे कि सुनिश्चित किया जाए कि वे आज के पुजारियों के समान नहीं थे।
- "याजक" शब्द का अनुवाद करने के लिए प्रयुक्त शब्द "प्रधान याजक" और "महायाजक" और "लेवीय" और "भविष्यद्वक्ता" के अनुवादित शब्दों से भिन्न होना चाहिए।

(यह भी देखें: हारून, प्रधान याजक, महायाजक, मध्यस्थ, बलिदान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 6:41
- उत्पत्ति 14:17–18
- उत्पत्ति 47:22
- यूहन्ना 1:19–21
- लूका 10:31
- मरकुस 1:44
- मरकुस 02:25–26
- मत्ती 8:4
- मत्ती 12:4
- मीका 03:9–11
- नहेमायाह 10:28–29
- नहेमायाह 10:34–36
- प्रकाशितवाक्य 1:6

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **4:7** "मलिकिसिदक, _परमप्रधान परमेश्वर के _ याजक "
- **13:9** जो परमेश्वर के नियमों का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा | **याजक** पशु को मारकर उसे वेदी पर जलाएगा | उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, परमेश्वर की दृष्टी में पापी मनुष्य के सभी अपराधों को ढांक देगा और उस मनुष्य को परमेश्वर की दृष्टि में शुद्ध ठहराएगा | परमेश्वर ने मूसा के भाई हारून और हारून के वंश को **याजक** पद के लिये चुना |
- **19:7** तब बाल के **याजकों** ने उस बछड़े को जो उन्हें दिया गया था, लेकर बलिदान के लिए तैयार किया, परन्तु उमसे आग न लगाई
- **21:7** इस्राएली **याजक** वह है जो लोगों के पापों के दंड के प्रतिस्थापन में परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाता है | **याजक** परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3547, H3548, H3549, H3550, G748, G749, G2405, G2406, G2407, G2409, G2420

याफा

तथ्य:

बाइबल के युग में याफा नगर एक महत्वपूर्ण व्यापारिक बन्दरगाह था जिसकी भौगोलिक स्थिति शारोन के मैदान के दक्षिण में भूमध्य सागर के तट पर थी।

- प्राचीन याफा वर्तमान समय में जाफ़ा शहर के रूप में स्थित है, जो अब तेल अवीव शहर में शामिल हो गया है।
- पुराने नियम में याफा वह स्थान था जहां से जहाज पर चढ़कर योना तर्शीश जाना चाहता था।
- नये नियम में तबिता नामक एक मसीह स्त्री याफा नगर में मृत्यु को प्राप्त हुई थी जिसे पतरस ने जिलाया था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: झील, यरूशलेम, शारोन, तर्शीश)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:36–37
- प्रे.का. 10:7–8
- प्रे.का. 11:4–6
- प्रे.का. 11:11–14
- योना 01:1–3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3305, G2445

यारोबाम

तथ्य:

नबात का पुत्र यारोबाम 900–910 ईसा पूर्व के आसपास इस्राएल के उत्तरी राज्य का पहला राजा था। राजा योआश के पुत्र यारोबाम ने लगभग 120 वर्ष बाद इस्राएल पर शासन किया।

- यहोवा ने नबात के पुत्र यारोबाम को भविष्यवाणी दी कि वह सुलैमान के बाद राजा बनेगा और वह इस्राएल के दस गोत्रों पर शासन करेगा।
- जब सुलैमान की मृत्यु हुई, इस्राएल के दस उत्तरी गोत्रों ने सुलैमान के पुत्र रहूबियाम के विरुद्ध विद्रोह किया और उसके स्थान पर यारोबाम को अपना राजा बनाया, रहूबियाम को केवल दक्षिणी दो गोत्रों, यहूदा और बिन्यामीन के राजा के रूप में छोड़ दिया।
- यारोबाम एक दुष्ट राजा बन गया जिसने लोगों को यहोवा की उपासना करने से दूर किया और इसके बजाय उनकी उपासना करने के लिए मूर्तियों की स्थापना की। इस्राएल के अन्य सभी राजा यारोबाम के उदाहरण का अनुसरण करते थे और उसके समान दुष्ट थे।
- करीब 120 साल बाद, एक और राजा यारोबाम ने इस्राएल के उत्तरी राज्य पर शासन करना शुरू किया। यह यारोबाम राजा योआश का पुत्र था और इस्राएल के सब पिछले राजाओं के समान दुष्ट था।
- इस्राएलियों की दुष्टता के बावजूद, परमेश्वर ने उन पर दया की और इस राजा यारोबाम को भूमि प्राप्त करने और उनके क्षेत्र के लिए सीमाएँ स्थापित करने में मदद की।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: मूरत, इस्राएल का राज्य, यहूदा, सुलैमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 5:16–17
- 1 राजा 12:2
- 2 इतिहास 9:29
- 2 राजा 3:1–3
- आमोस 1:1

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए **यारोबाम** नामक एक राजा को नियुक्त किया।
- **18:09** यारोबाम ने परमेश्वर से बलवा किया और लोगों से पाप करवाया। उसने यहूदा के राज्य में मंदिर में परमेश्वर की पूजा करने के बजाय अपने लोगों की पूजा करने के लिए दो मूर्तियों का निर्माण किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3379

यिज़्रैल

परिभाषा:

यिज़्रैल इस्सकार गोत्र में एक महत्वपूर्ण नगर था जो मृत्त सागर के दक्षिण पूर्व में स्थित था।

- यिज़्रैल मगिद्दो के मैदान के पश्चिमी क्षेत्रों में से एक था जिसे यिज़्रैल की घाटी भी कहते थे।
- यिज़्रैल नगर में अपने इस्राएली राजाओं के महल थे।
- नाबोत की दाख की बारी कभी यिज़्रैल में राजा आहाब के महल के निकट थी। भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने आहाब के विरूद्ध वहीं भविष्यद्वाणी की थी।
- आहाब की दुष्ट रानी ईज़ेबेल भी वहीं मारी गयी थी।
- इस नगर में अनेक महत्वपूर्ण घटनाएं घटी थी जिनमें युद्ध भी थे।

(यह भी देखें: अहाब, एलिय्याह, इस्साकार, ईजेबेल, महल, खारे ताल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 04:11–14
- 1 शमूएल 25:43–44
- 2 राजा 08:28–29
- 2 शमूएल 02:1–3
- न्यायियों 06:33

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3157, H3158, H3159

यित्रो

तथ्य:

“यित्रो” और “रूएल” शाऊल दोनों नाम मूसा की पत्नी सिप्पोरा के पिता के हैं। पुराने नियम में “रूएल” नामक दो पुरुष और थे।

मिद्यान देश में जब मूसा चरवाहा था तब उसने एक मिद्यानी पुरुष, रूएल की पुत्री से विवाह कर लिया था।

- बाद में रूएल को “यित्रो, मिद्यानियों का पुजारी” कहा गया है। हो सकता है कि “रूएल” उसक गोत्र का नाम था।
- जिस समय परमेश्वर ने जलती हुई झाड़ी में से मूसा से बातें की थी, उस समय मूसा यित्रो की भेड़ें चरा रहा था।
- मिस्र से इस्राएलियों को निकाल लाने के कुछ समय पश्चात यित्रो जंगल में इस्राएलियों के पास आया और मूसा को लोगों के विवादों को सुलझाने का अच्छा परामर्श दिया।
- मिस्र में इस्राएलियों के लिए किए गए परमेश्वर के चमत्कारों के बारे में सुनकर उसने परमेश्वर में विश्वास किया।
- एसाव के एक पुत्र का नाम भी रूएल था।
- रूएल नामक एक और पुरुष था जिसका उल्लेख बेबीलोन की बन्धुआई के बाद यहूदी लौटने वाले इस्राएलियों की वंशावली में है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बन्दी, कुल, रेगिस्तान, मिस्र, एसाव, आश्चर्यकर्म, मूसा, रेगिस्तान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:34–37
- निर्गमन 02:18–20
- निर्गमन 03:1–3
- निर्गमन 18:1–4
- गिनती 10:29–30

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3503, H7467

यिप्तह

तथ्य:

यिप्तह गिलाद का एक योद्धा था, वह इस्राएल का न्यायी था।

- इब्रानियों 11:32 में यिप्तह की प्रशंसा की गई है कि वह एक महत्वपूर्ण अगुआ था जिसमें अपने लोगों को शत्रुओं से रक्षा प्रदान की थी।
- उसने अम्मोनियों को पराजित करने के लिए इस्राएलियों की अगुआई की थी और एप्रैमियों को भी हराया था।
- तथापि, यिप्तह ने शीघ्रता में परमेश्वर से शपथ खाई जिसके परिणाम स्वरूप उसे अपनी पुत्री की बलि चढ़ानी पड़ी थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अम्मोन, मुक्ति दिलाना, एप्रैम, न्या., मन्नत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 11:32–34
- न्यायियों 11:1–3
- न्यायियों 11:34–35
- न्यायियों 12:1–2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3316

यिर्मयाह

तथ्य:

यिर्मयाह यहूदा राज्य में परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता था। पुराने नियम में यिर्मयाह नाम की पुस्तक में उसकी भविष्यद्वाणियां हैं।

- अन्य भविष्यद्वक्ताओं के सदृश्य यिर्मयाह ने भी इस्राएलियों को चेतावनी दी थी कि परमेश्वर उनके पापों का दण्ड देगा।
- यिर्मयाह की भविष्यद्वाणी के अनुवार बेबीलोन, यरूशलेम को बन्दी बनाएगा, इस कारण अनेक यहूदावासी उससे क्रोधित थे। परिणामस्वरूप उन्होंने उसे एक सूखे कूएं में डाल दिया कि वह मर जाए। परन्तु यहूदा के राजा ने अपने सेवकों को आज्ञा देकर उसे कूएं में से निकलवाया।
- अपने लोगों के विद्रोह और कष्टों के निमित्त संताप प्रकट करते हुए यिर्मयाह ने लिखा कि उसकी आंकें "आंसुओं का सोता" बन जाएं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबेल, यहूदा, भविष्यद्वक्ता, बलवा, दुख उठाना, कुआं)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 35:25
- यिर्मयाह 1:2
- यिर्मयाह 11:1
- मत्ती 2:18
- मत्ती 16:13–16
- मत्ती 27:10

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:17** एक बार **यिर्मयाह** भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और **यिर्मयाह** कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर दया की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाएं।
- **21:5 यिर्मयाह** भविष्यद्वक्ता के द्वारा, परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की थी कि वह एक नई वाचा बांधेगा परन्तु वह उस वाचा के समान नही होंगी जो परमेश्वर ने इस्राएलियों के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3414, G2408

यिशै

तथ्य:

यिशै राजा दाऊद का पिता और रूत एवं बोआज़ का पोता था।

- यिशै यहूदा के गोत्र का था।
- वह "एप्राती" था अर्थात एप्राता (बैतलहम) नगर का निवासी था।
- भविष्यद्वक्ता यशायाह ने एक "जड़" या "डाली" की भविष्यद्वाणी की थी, कि वह "यिशै की जड़" से फूट निकलेगी और फलवन्त होगी। यह यीशु के संदर्भ में था क्योंकि वह यिशै का वंशज था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बैतलहम, बोअज, वंशज, यीशु, राजा, भविष्यद्वक्ता, रूत, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:9–12
- 1 राजा 12:16–17
- 1 शमूएल 16:1
- लूका 03:30–32
- मत्ती 01:4–6

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3448, G24210

यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। "यीशु" नाम का अर्थ है, "यहोवा बचाता है" "ख्रीस्त" एक उपनाम है जिसका अर्थ है, "अभिषिक्त जन" इसका दूसरा शब्द है, "मसीह"

- ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह यीशु” या “यीशु ख्रीस्त”। इन नामों द्वारा बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।
- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के शाश्वत पुत्र को मनुष्यों में जन्माया| उसकी माता को स्वर्गदूत ने निर्देश दिया था कि उसका नाम "यीशु" रखे क्योंकि वह मनुष्यों को पापों से बचाने के लिए नियत था|
- यीशु ने अनेक चमत्कार किए जिनसे प्रकट हुआ कि वह परमेश्वर है और ख्रीस्त है और मसीह है|

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में “यीशु” और “मसीह” शब्दों को इस प्रकार लिखा जाता है कि उनका उच्चारण और वर्तनी मूल भाषा के यथासंभव निकट रखी जाए| उदाहरणार्थ, "यीसुख्रीस्तो", "जीज़स ख्रीस्तुस", "येसूस क्रिसतुस" और "हेसुक्रिस्तो|' ये कुछ विधियां हैं जो विभिन्न भाषाओं में यीशु के नाम के अनुवाद के लिए काम में ली जाती हैं|
- “ख्रीस्त” शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र “मसीह” शब्द या उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, पिता परमेश्वर, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 6:11
- 1 यूहन्ना 2:2
- 1 यूहन्ना 4:15
- 1 तीमुथियुस 1:2
- 2 पतरस 1:2
- 2 थिस्सलुनीकियों 2:15
- 2 तीमुथियुस 1:10
- प्रे.का. 2:23
- प्रे.का. 5:30
- प्रे.का. 10:36
- इब्रानियों 9:14
- इब्रानियों 10:22
- लूका 24:20
- मत्ती 1:21
- मत्ती 4:3
- फिलिप्पियों 2:5
- फिलिप्पियों 2:10
- फिलिप्पियों 4:21–23
- प्रकाशितवाक्य 1:6

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **22:4** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम **यीशु** रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:2** "तू उसका नाम **यीशु** रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:7** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि **यीशु** ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:9** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने **यीशु** को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, और पुत्र **यीशु** को और पवित्र आत्मा को भी देखा।

- _25:8_यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:8** फिर **यीशु** गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को **यीशु** ने चंगा किया।
- **31:3** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:2** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने **यीशु** को मसीहा होने से अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:8** अपनी मृत्यु के द्वारा_ यीशु_ ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** " प्रभु_ यीशु_ स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। **यीशु** सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17 यीशु** और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। **यीशु** अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G24240, G55470

यूनान

तथ्य:

नए नियम के युग में यूनान रोमी साम्राज्य का एक प्रान्त था।

- आज के यूनान के स्थान ही में वह यूनान भूमध्य-सागर, एजियन सागर और आयोनियन सागर के तटों पर एक प्रायद्वीप था।
- प्रेरित पौलुस यूनान के अनेक नगरों में गया था और वहां कलीसियाओं की स्थापना की, कुरिन्थ, थिस्सलुनीके, फिलिप्पी तथा अन्य।
- यूनान के नागरिक यूनानी कहलाते हैं और उनकी भाषा भी यूनानी ही कहलाती है। रोम के अन्य प्रान्तों के लोग भी यूनानी भाषा बोलते थे जिनमे यहूदी भी थे।
- कभी-कभी यूनानी शब्द अन्य जाति के लिए भी काम में लिया जाता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कुरिन्थ, अन्य-जाति, यूनानी, इब्रानी, फिलिप्पियों, थिस्सलोनिके)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 08:20–21
- दानिय्येल 10:20–21
- दानिय्येल 11:1–2
- जकर्याह 09:11–13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3120, G1671

यूनानी

तथ्य:

शब्द "यूनानी" यूनान देश में बोली जाने वाली भाषा को संदर्भित करता है, यह शब्द यूनान देश के व्यक्ति के लिए भी उपयोग किया है। यूनानी भी रोमन साम्राज्य भर में बोली जाती थी यूनानी का अर्थ था "यूनानी भाषा बोलने"

यूसुफ (नया नियम)

- क्योंकि रोमन साम्राज्य में अधिकांश गैर-यहूदी लोग यूनानी भाषा बोलते हैं, इसलिए नए नियम में अन्यजातियों को अक्सर "यूनानी" कहा जाता है, विशेष रूप से जब यहूदियों के साथ विषमता दर्शाई गई हो।
- यह वाक्यांश, "यूनानी यहूदी" का सन्दर्भ यहूदियों से है जो यूनानी भाषा बोलते थे जो "इब्रानी यहूदियों" की विषमता में था क्योंकि वे केवल इब्रानी भाषा या संभवतः अरामी भाषा बोलते थे। यूनानीवादी" यूनानी भाषा-भाषी के लिए यूनानी शब्दोच्चारण से वियुत्पन्न है|
- “यूनानी” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं; “यूनानी बोलनेवाले” या “यूनानी संस्कृति के” या “यूनानी”।
- गैर-यहूदियों के संदर्भ में, "यूनानी" का अनुवाद हो सकता है, “अन्य-जाति।"

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अराम, अन्यजाति, यूनान, इब्रानी, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 6:1
- प्रे.का. 9:229
- प्रे.का. 11:20
- प्रे.का. 14:1–2
- कुलुस्सियों 3:11
- गलातियों 2:3–5
- यूहन्ना 7:35

शब्द तथ्य:

स्ट्रोंग्स: H3125, G16720, G16730, G16740, G16750, G16760

यूसुफ (नया नियम)

तथ्य:

यूसुफ यीशु का सांसारिक पिता था जिसने उसे पाल-पोस कर बड़ा किया। वह एक धर्मी पुरुष था जिसका पेशा लकड़ी का काम था।

- यूसुफ की मंगनी एक यहूदी स्त्री मरियम के साथ हुई थी जिसे परमेश्वर ने यीशु मसीह की माता होने के लिए चुन लिया था।
- स्वर्गदूत ने यूसुफ से कहा कि पवित्र-आत्मा ने अलौकिक कृत्य द्वारा मरियम को गर्भधारी किया है और मरियम का यह पुत्र परमेश्वर का पुत्र है।
- यीशु के जन्म के बाद एक स्वर्गदूत ने यूसुफ को चिताया कि वह हेरोदेस से बचने के लिए बालक और मरियम को लेकर मिस्र देश चला जाए।
- यूसुफ अपने परिवार के साथ गलील क्षेत्र के नासरत नगर में रहता था और लकड़ी का काम करके जीविकोपार्जन करता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मसीह, गलील, यीशु, नासरत, परमेश्वर का पुत्र, कुंवारी)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 1:43–45
- लूका 1:26–29
- लूका 2:4–5
- लूका 2:15–16
- मत्ती 1:18–19
- मत्ती 1:24–25
- मत्ती 2:19–21
- मत्ती 13:54–56

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **22:4** वह एक कुँवारी थी जिसकी मंगनी **यूसुफ** नामक पुरुष के साथ हुई थी।
- **23:1** मरियम की मंगनी **यूसुफ** नामक एक धर्मी पुरुष से हुई। जब यूसुफ को यह पता चला कि मरियम गर्भवती है, और जो उसके गर्भ में है वह उसका बालक नहीं है, अत: यूसुफ ने जो धर्मी था और उसको बदनाम करना नहीं चाहता था, उसे चुपके से त्याग देने का विचार किया।
- **23:2** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “हे **यूसुफ** ! तू अपनी पत्नी मरियम को यहाँ ले आने से मत डर, क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्र आत्मा की ओर से है। वह पुत्र जनेगी और तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।”
- **23:3** **यूसुफ** ने मरियम से विवाह किया और अपनी पत्नी को अपने यहाँ ले आया, और जब तक वह पुत्र न जनी तब तक वह उसके पास न गया।
- **23:4** अत: **यूसुफ** और मरियम भी एक लम्बी यात्रा तय करके नासरत को गए, क्योंकि यूसुफ दाऊद के घराने और वंश का था, गलील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया।

- **26:4** यीशु ने उनसे कहा, " आज ही यह लेख तुम्हारे सामने पूरा हुआ है" | सभी लोग चकित थे। और कहने लगे कि " क्या यह **यूसुफ** का पुत्र नहीं है?"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G25010

यूसुफ (पुराना नियम)

तथ्य:

यूसुफ याकूब का ग्यारहवां और माता राहेल का पहला पुत्र था। उसके दो पुत्रों,एप्रैम और मनश्शे के वंशज इस्राएल के दो गोत्र हुए|

- इब्रानी नाम यूसुफ़ उन दो इब्रानी शब्दों का सा है जिनका अर्थ, "जोड़ना, बढाना" और दूसरा, "एकत्र करना,ले जाना" होता है|
- उत्पत्ति के पुस्तक का एक बड़ा भाग युसूफ की कहानी का है कि वह कैसे अनेक कठिनाइयों में परमेश्वर का निष्ठावान रहा और उसने अपने भाइयों को भी क्षमा कर दिया जिन्होंने उसको मिस्र में दास होने के लिए बेच दिया था|
- अंत में परमेश्वर ने यूसुफ़ को अधिकार में मिस्र का दूसरा सर्वोच्च अधिकारी बना दिया था और उसको मिस्र की प्रजा तथा परिवेश के जातियों को भोजन की कमी होने पर काम में लिया| यूसुफ़ ने अपने परिवार को भी भूखे मरने से बचाया और उनको लाकर अपने पास मिस्र में बसा दिया|

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: इस्राएल के बारह गोत्र, एप्रैम, मनश्शे, याकूब, राहेल)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 30:22–24
- उत्पत्ति 33:1–3
- उत्पत्ति 37:1–2
- उत्पत्ति 37:23–24
- उत्पत्ति 41:55–57
- यूहन्ना 04:4–5

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **8:2 यूसुफ** के भाई उससे बैर रखते थे क्योंकि जब यूसुफ के भाइयो ने देखा कि हमारा पिता हम सबसे अधिक उसी से प्रीति रखता है, और यूसुफ ने स्वप्न में देखा था कि वह अपने भाइयो पर राज्य करे।
- **8:4** और व्यापारी **यूसुफ** को मिस्र ले गए।
- **8:5** यहाँ तक की बंदीगृह में भी **यूसुफ** परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहा और परमेश्वर ने उसे आशीष दी।
- **8:7** परमेश्वर ने **यूसुफ** को योग्यता दी थी कि वह स्वप्न का अर्थ समझ सके, इसलिये फ़िरौन ने यूसुफ को बंदीगृह से बुलवा भेजा।
- **8:9 यूसुफ** ने सात वर्ष अच्छी उपज के दिनों में भोजनवस्तुएँ इकट्ठा करने के लिये लोगों से कहा।
- __9:2__मिस्र वासी अब **यूसुफ** को भूल गये थे और उन कार्यो को जो उसने उनकी सहायता करने के लिये किये थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3084, H3130, G2500, G2501

यूहन्ना (प्रेरित)

तथ्य:

यूहन्ना यीशु के बारह शिष्यों में से एक था और यीशु का घनिष्ठ मित्र था।

यूहन्ना (प्रेरित)

- यूहन्ना और उसका भाई याकूब एक मछुवारे, जब्दी के पुत्र थे।
- उसने यीशु के जीवन का सुसमाचार लिखा तो उसमें स्वयं के लिए लिखा, “वह चेला जिससे यीशु प्रेम रखता था।" इससे प्रकट होता है कि यूहन्ना यीशु का विशेष घनिष्ठ मित्र था।
- प्रेरित यूहन्ना ने पांच नए नियम की पुस्तके लिखीं: यूहन्ना का सुसमाचार, यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य, और विश्वासियों को लिखे तीन पत्र।
- ध्यान दें कि प्रेरित यूहन्ना, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले से भिन्न है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: प्रेरित, प्रकट करना, याकूब (जब्दी का पुत्र), यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), जब्दी)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 2:9–10
- यूहन्ना 1:19–21
- मरकुस 3:17–19
- मत्ती 4:21–22
- प्रकाशितवाक्य 1:1–3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **36:1** एक दिन यीशु ने अपने तीन चेलों, पतरस, याकूब और **यूहन्ना** को अपने साथ लिया। (यीशु का चेला **यूहन्ना** वह यूहन्ना नहीं था, जिसने यीशु को बपतिस्मा दिया था।) और उन्हें एकान्त में प्रार्थना करने के लिए ऊँचे पहाड़ पर ले गया।
- **44:1** एक दिन पतरस और **यूहन्ना** प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।
- **44:6** पतरस और **यूहन्ना** लोगों से जो कह रहे थे, उससे मन्दिर के सरदार उनसे बहुत परेशान थे। तो उन्होंने उन्हें पकड़कर बंदीगृह में डाल दिया।
- **44:7** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि यहूदी याजक पतरस और **यूहन्ना** को लेकर महायाजक के पास गए। उन्होंने पतरस और **यूहन्ना** से पूछा कि, “तुम ने यह काम किस सामर्थ्य से और किस नाम से किया है ?”
- **44:9** जब उन्होंने पतरस और **यूहन्ना** का साहस देखा, और यह जाना कि ये अनपढ़ और साधारण मनुष्य है , तो आश्चर्य किया। फिर उनको पहचाना कि ये यीशु के साथ रहे है। तब उन्होंने पतरस और **यूहन्ना** को धमकाकर छोड़ दिया।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G24910

यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला)

यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला)

तथ्य:

यूहन्ना जकर्याह और एलिशिबा का पुत्र था। क्योंकि "यूहन्ना" एक सामान्य नाम था, वह यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला कहलाया कि अन्य यूहन्नाओं से उसे अलग किया जाए जैसे प्रेरित यूहन्ना।

- यूहन्ना एक भविष्यद्वक्ता था जिसे परमेश्वर ने भेजा कि मनुष्यों को मसीह के लिए और मसीह के अनुसरण के लिए तैयार करे।
- यूहन्ना ने लोगों से कहा कि वे अपने पापों को मानकर परमेश्वर की ओर फिरें और पाप करना छोड़ दें जिससे कि वे मसीह को ग्रहण करने के लिए तैयार हो जाएं।
- यूहन्ना पानी में बपतिस्मा देता था जो इस बात का प्रतीक था कि वे अपने पापों का पछतावा करते हैं और पापों से विमुख होते हैं।
- यूहन्ना को बपतिस्मा देनेवाला कहा गया है क्योंकि उसने बहुत लोगों को बप्तिस्मा दिया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बपतिस्मा देना, जकर्याह (नया नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 3:22–24
- लूका 1:11–13
- लूका 1:62–63
- लूका 3:7
- लूका 3:15–16
- लूका 7:27–28
- मत्ती 3:13
- मत्ती 11:14

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- __22:2__स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा, "तेरी पत्नी इलीशिबा तेरे लिए एक पुत्र जनेगी। और तू उसका नाम **यूहन्ना** रखना। वह पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होगा, और लोगों का मन मसीह की ओर फेरेगा।
- __22:7__तब इलीशिबा के प्रसव का समय पूरा हुआ, और उसने पुत्र को जन्म दिया, जकर्याह और इलीशिबा ने उस पुत्र का नाम **यूहन्ना** रखा, जैसा कि स्वर्गदूत ने उनसे कहा था।
- **24:1 यूहन्ना**, जो जकर्याह और इलीशिबा का पुत्र था, वह बड़ा होकर एक नबी बन गया। वह जंगल में रहता था, और ऊँट के रोम का वस्त्र पहनता था और अपनी कमर में चमड़े का कटिबन्द बाँधे रहता था तथा टिड्डियाँ और वनमधु खाया करता था।
- **24:2** बहुत से आस पास के लोग **यूहन्ना** को सुनने के लिए बाहर निकल आए। यूहन्ना ने उनसे कहा, "मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है !"
- **24:6** अगले दिन, यीशु **यूहन्ना** के पास उससे बपतिस्मा लेने को आया। जब **यूहन्ना** ने उसे देखा, तो कहा, "देखो! यह परमेश्वर का मेम्ना है, जो संसार के पापों को दूर ले जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: G09100, G24910

यूहन्ना मरकुस

तथ्य:

यूहन्ना मरकुस जो "मरकुस" के नाम से भी जाना जाता है, पौलुस के साथ उसकी प्रचार यात्रा में गया था। अति-संभव है कि मरकुस रचित सुसमाचार का लेखक वही था।

- यूहन्ना मरकुस अपने भाई बरनबास और पौलुस के साथ प्रथम प्रचार यात्रा में गया था।
- जब पतरस को यरूशलेम के बन्दीगृह में डाला गया था तब वहां के विश्वासी यूहन्ना मरकुस की माता के घर में एकत्र होकर उसके लिए प्रार्थना कर रहे थे।
- मरकुस वास्तव में प्रेरित नहीं था परन्तु पौलुस और पतरस की शिक्षाओं में रहकर उनके साथ प्रचार करता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बरनबास, पौलुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमु. 4:11–13
- प्रे.का. 12:24–25
- प्रे.का. 13:5
- प्रे.का. 13:13
- प्रे.का. 15:36–38
- प्रे.का. 15:39–41
- कुलुस्सियों 4:10–11

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2491, G3138

येपेत

तथ्य:

येपेत नूह के तीन पुत्रों में से एक था।

- संपूर्ण पृथ्वी पर जब जल प्रलय आया था तब येपेत और उसके दो भाई नूह के साथ जहाज में थे, उनकी पत्नियां भी उनके साथ थी।
- नूह के पुत्र क्रमवार उल्लेखित किए गए हैं, "शेम, हाम, येपेत।" इससे समझ में आता है कि येपेत सबसे छोटा पुत्र था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: जहाज, जल-प्रलय, हाम, नूह, शेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:1–4
- उत्पत्ति 05:32
- उत्पत्ति 06:9–10
- उत्पत्ति 07:13–14
- उत्पत्ति 10:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3315

येहू

तथ्य:

येहू नामक दो पुरुष पुराने नियम में हुए हैं।

- हानानी का पुत्र येहू एक भविष्यद्वक्ता था जिस समय इस्राएल में राजा आहाब था और यहूदा में राजा यहोशापात था।
- यहोशापात का पुत्र (या वंशज) येहू इस्राएली सेना का प्रधान था जिसे एलीशा के आदेशानुसार राजा बनाया गया था।
- राजा येहू ने दो बुरे राजाओं को मार डाला, इस्राएल के राजा योराम और यहूदा के राजा अहज्याह।
- येहू ने भूतपूर्व राजा आहाब के सब परिजनों की भी हत्या कर दी थी। और दुष्ट स्त्री ईजेबेल की भी हत्या करवा दी थी।
- येहू ने सामरिया बाल के सब प्रजा स्थल नष्ट करवा दिए थे तथा बाल के सब पुजारियों को मरवा दिया था।
- राजा येहू ने एकमात्र सच्चे परमेश्वर, यहोवा की उपासना की और इस्राएल पर 28 वर्ष राज किया।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अहाब, अहज्याह, बाल, एलीशा, यहोशापात, येहू, ईजेबेल, योराम, यहूदा, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 04:34–38
- 1 राजा 16:1–2
- 2 इतिहास 19:1–3
- 2 राजा 10:8–9
- होशे 01:3–5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3058

योआब

परिभाषा:

दाऊद राज संपूर्ण राज्यकाल में योआब का एक महत्त्वपूर्ण सेना नायक था।

- दाऊद के राजा बनने से पूर्व वह उसके विश्वासयोग्य अनुयायियों में था।
- राजा दाऊद के सिंहासन पर बैठने के बाद वह राजा दाऊद की सेना का प्रधान हो गया था।
- योआब दाऊद का भांजा भी था क्योंकि उसकी माता दाऊद की बहनों में से एक थी।
- जब अबशालोम ने राज्य पाने के लिए दाऊद से विद्रोह किया था तब योआब ही ने उसकी हत्या की थी।
- योआब एक उग्र योद्धा था जिसने इस्राएल के अनेक बैरियों का नाश किया था।

(यह भी देखें: अबशालोम, दाऊद)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:16–17
- 1 राजा 01:7–8
- 1 शमूएल 26:6–8
- 2 शमूएल 02:18–19
- नहेम्याह 07:11–14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3097

योआश

तथ्य:

योआश नामक अनेक पुरुष बाइबल में हुए हैं।

- एक योआश इस्राएल के रक्षक गिदोन का पिता था।
- एक और योआश याकूब के सबसे छोटे पुत्र बिन्यामीन का वंशज था।
- सर्वाधिक प्रसिद्ध योआश यहूदा का राजा था जिसने सात वर्ष की आयु में राजा का दायित्व संभाला था। वह अहज्याह का पुत्र था, यहूदा का राजा जिसकी हत्या कर दी गई थी।
- योआश जब बालक ही था तब उसकी बुआ ने उसे छिपा कर बचा लिया था, जब तक कि वह मुकुट धारण करने योग्य न हो।
- योआश एक अच्छा राजा था और आरंभ में परमेश्वर का आज्ञाकारी था। परन्तु उसने मूर्ति-पूजा के ऊंचे स्थान नष्ट नहीं किए थे जिसके परिणाम-स्वरूप इस्राएलियों ने पुनः मूर्ति-पूजा आरंभ कर दी थी।
- योआश जब यहूदा पर राज कर रहा था तब कुछ वर्ष इस्राएल पर यहोआश का राज्य था। ये दोनों अलग-अलग राजाओं के नाम है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अहज्याह, वेदी, बिन्यामीन, झूठे देवता, गिदोन, ऊंचे स्थान, मूरत)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 03:10–12
- 2 इतिहास 18:25–27
- 2 राजा 11:1–3
- आमोस 01:1–2
- न्यायियों 06:11–12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3101, H3135

योएल

तथ्य:

योएल एक भविष्यद्वक्ता था, वह यहूदा के राजा योआश के राज्यकाल में सेवा कर रहा था। योएल नाम अनेक अन्य पुरुष पुराने नियम में हुए हैं।

- योएल की पुस्तक पुराने नियम के अन्तिम भाग में बारह छोटे भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों में से एक है।
- हमें योएल की व्यक्तिगत जानकारी में केवल इतना ही ज्ञात है कि उसके पिता का नाम पतूएल था।
- पिन्तेकुस्त के दिन अपने भाषण में प्रेरित पतरस ने योएल की भविष्यद्वाणी का संदर्भ दिया था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: योआश, यहूदा, पिन्तेकुस्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:33–35
- 1 शमूएल 08:1–3
- प्रे.का. 02:16–17
- एज्रा 10:41–44
- योएल 01:1–3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3100, G2493

योग्य करना

परिभाषा:

"योग्य करना" का संदर्भ लाभ प्राप्त करने का अधिकार होना या दक्षता के लिए पहचाना जाना।

- किसी काम के लिए "योग्य" मनुष्य के पास उस काम को करने की आवश्यक दक्षता एवं प्रशिक्षणत होता है।
- कुलुस्से की कलीसिया के लिये पत्र में पौलुस लिखता है कि पिता परमेश्वर ने विश्वासियों को ज्योति के राज्य का सहभागी होने के "योग्य" बनाया है। इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने उन्हें वह सब दिया है जो ईश्वर-परायण जीवन जीने के लिए आवश्यक है।
- विश्वासी परमेश्वर के राज्य का अधिकारी स्वयं नहीं हो सकता है वह केवल मसीह के लहू द्वारा मुक्ति के कारण योग्य ठहरता है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुवाद "योग्य" का अनुवाद "संपन्न" या "दक्ष" या "सक्षम" हो सकता है।
- किसी को "योग्य करना" बनाने का अनुवाद "संपन्न करना" या "सक्षम बनाना" या "समर्थ बनाना" हो सकता है।

(यह भी देखें: कुलुस्से, ईश्वर-भक्त, राज्य, ज्योति, पौलुस, छुटकारा दिलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:3–5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3581

योताम

परिभाषा:

पुराने नियम में योताम नाम के तीन पुरुष हुए हैं।

- एक योताम गिदोन का सबसे छोटा पुत्र था। योताम ने अपने बड़े भाई अबीमेलेक को पराजित करने में सहायता की जिसने अपने अन्य सभी भाइयों को मार डाला था।
- यहूदा के राजा का नाम भी योताम था, उसने अपने पिता उज्जियाह(अजर्याह) के मरणोपरान्त सोलह वर्ष राज किया था।
- अपने पिता के समान योताम भी परमेश्वर का आज्ञाकारी था और एक अच्छा राजा हुआ था।
- तथापि उसने मूर्तियों के स्थानों को नष्ट नहीं किया था जिसका परिणाम यह हुआ कि बाद में यहूदावासी फिर मूर्ति-पूजा करने लगे थे।
- यीशु की वंशावली में भी एक योतान है, मत्ती रचित सुसमाचार में।

(यह भी देखें: अबीमेलेक, आहाज, गिदोन, उज्जियाह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 26:21
- 2 राजा 15:4–5
- यशायाह 01:1
- न्यायियों 09:5–6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3147

योना

परिभाषा:

योना पुराने नियम का एक इब्रानी भविष्यद्वक्ता था।

- योना की पुस्तक में योना की कहानी है कि उसे परमेश्वर ने नीनवे के लोगों में सन्देश सुनाने भेजा था।
- योना नीनवे जाने की अपेक्षा किसी और तर्शीश देश को जानेवाले जहाज में चढ़ गया था।
- परमेश्वर ने उस जहाज को एक भयानक आंधी से घेर लिया था।
- उसने जहाज के कर्मचारियों से कहा कि वह परमेश्वर से दूर भाग रहा है, और उनको सुझाव दिया कि वे उसे समुद्र में फेंक दें। जब उन्होंने ऐसा किया तब तूफान थम गया।
- योना को समुद्र में एक बहुत बड़ी मछली ने निगल लिया, वह उस मछली के पेट में तीन दिन तीन रात रहा।
- मछली ने जब योना को उगल दिया तब उसने जाकर नीनवे में परमेश्वर का सन्देश सुनाया, परिणामस्वरूप नीनवे वासियों ने उग्रवाद का त्याग करके पापों का पश्चाताप किया।
- योना नीनवे को नष्ट न करने के लिए परमेश्वर पर क्रोधित हो गया, और परमेश्वर ने योना को करुणा का सबक सिखाने के लिए एक पौधे और कीड़े का इस्तेमाल किया।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: आज्ञा न मानना, नीनवे, फिरना)

बाइबल सन्दर्भ:

- योना 1:3
- लूका 11:30
- मत्ती 12:39
- मत्ती 16:4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3124, G24950

योनातान

तथ्य:

पुराने नियम में लगभग दस पुरुषों का नाम योनातान हुआ है। इस नाम का अर्थ है, "यहोवा ने दिया है"।

- बाइबल में सबसे अधिक परिचित नाम योनातान, दाऊद के मित्र, कहा है। * योनातान शाऊल का बड़ा पुत्र था।
- पुराने नियम के अन्य योनातान हैं, मूसा का वंशज राजा दाऊद का भतीजा, अनेक याजक, एब्यातार का पुत्र भी और पुराने नियम का एक शास्त्री जिसके घर में यिर्मयाह को बन्दी बनाकर रखा गया था।

(यह भी देखें: नाम कैसे अनुवादित करें)

(यह भी देखें: एब्यातार, दाऊद, मूसा, यिर्मयाह, याजक, शाऊल (पुराना नियम), शास्त्री)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 01:41–42
- 1 शमूएल 14:1
- 1 शमूएल 20:1–2
- 2 शमूएल 01:3–5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3083, H3129

योराम

तथ्य:

योराम, जो अहाब का पुत्र, इस्राएल का राजा था। वह यहोराम के नाम से भी जाना जाता है।

योशिय्याह

- राजा योराम उसी समय इस्राएल पर राज कर रहा था जब यहूदा में भी यहोराम नामक राजा राज्य कर रहा था।
- योराम एक दुष्ट राजा था जिसने स्वयं तो मूर्तिपूजा की और इस्राएल का पाप करने के कारण बना।
- इस्राएल के राजा योराम ने एलिय्याह और ओबद्याह के भविष्यवक्ताओं के समय में राज्य किया।
- योराम नाम का एक और व्यक्ति था जो हमात के राजा तू का पुत्र और राजा दाऊद के राज्यकाल में।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अहाब, दाऊद, एलिय्याह, हाम, यहोराम, इस्राएल का राज्य, यहूदा, ओबद्याह, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 03:10–12
- 2 इतिहास 22:4–5
- 2 राजा 01:17–18
- 2 राजा 08:16–17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3088, H3141, G2496

योशिय्याह

तथ्य:

योशिय्याह एक ईश्वर भक्त राजा था जिसने 31 वर्ष यहूदा पर राज किया था। उसने यहूदावासियों को मन फिराकर यहोवा की आराधना करने के लिए अगुवाई किया था।

- उसके पिता आमोन की हत्या के बाद योशिय्याह, उसके पुत्र ने आठ वर्ष की आयु में राजा का दायित्व संभाला।
- अपने राज्यकाल के अठारहवें वर्ष राजा योशिय्याह ने महायाजक हिलकिय्याह को आदेश दिया कि यहोवा के मन्दिर का पुनरुद्धार किया जाए। मन्दिर के पुनरुद्धार कार्य के समय व्यवस्था की पुस्तक मिली थी।
- जब व्यवस्था की पुस्तक योशिय्याह को पढ़कर सुनाई गई तब उसे बोध हुआ कि उसकी प्रजा परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन नहीं कर रही थी, इससे उसे बहुत दुःख हुआ। उसने आज्ञा दी कि मूर्ति-पूजा के सब स्थल नष्ट कर दिए जाएं और उनके पुजारियों को मार डाला जाए।
- उसने प्रजा को आज्ञा दी कि फसह के पर्व का उत्सव मनाना आरंभ किया जाए।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: मूरत, यहूदा, व्यवस्था, फसह, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 03:13–14
- 2 इतिहास 33:24–25
- 2 इतिहास 34:1–3
- यिर्मयाह 01:1–3
- मत्ती 01:9–11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2977, G2502